करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक ने आरक्षित नकदी निधि अनुपात में चार बार अप्रैल, अगस्त और नवंबर 2007 में वृद्धि कर 6% से बढ़ाकर 7.5% कर दिया। चलनिधि की स्थिति को देखते हुए वर्ष के दौरान प्रमुख बैंको ने मूलउधार दर और जमा दरों में वृद्धि की। उधार दर पिछले वित्तीय वर्ष के 12.25-12.50% से 50 आधार अंक बढ़ाकर 12.25-12.75% जमा दर एक वर्ष से अधिक परिपक्तता अवधि वाली 7.5-9.0% की गई। तथापि, अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर को द्रुत बनाए रखने के लिए कुछ बैंकों ने फरवरी 2008 के महीने में मूल उधार दर और 20 लाख रुपये से कम के आप्रास ऋणों की ब्याज दर में कटौती की घोषणा की।

मुद्रास्फीति और मुद्रा आपूर्ति को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक की कठोर मुद्रा नीति का ऋण वृद्धि दर पर असर हुआ जो वर्ष 2007-08 में 21.6% रही जब कि वर्ष 2006-07 में यह 28.1% रही थी। जमा वृद्धि दर भी नरम रहा। यल 2007-08 में 22.2% जबकि वर्ष 2006-07 में यह 23.8% रही थी।

विश्व की प्रमुख अर्थ व्यवस्थाओं मे मंदी के बावजूद चालू वर्ष में भारत की अर्थ व्यवस्था निवेश की अच्छी स्थिति के चलते निरंतर लगभग 8-8.5% की दर हो बढ़ेगी। सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मूल्य नियंत्रण के लिए किए गए अनेक वित्तीय और मौद्रिक उपायों के कारण मुद्राफीति के मार्च 2009 तक घटकर 5-5.5% के बीच आ जाने की संभावना है।

वित्तीय निष्पादन

लाभ

वर्ष 2006-07 के रु. 9,999.94 करोड़ की तुलना में वर्ष 2007-08 के दौरान बैंक का परिचालन लाभ रु. 13,107.55 करोड़ रहा और इस प्रकार इसमें 31.08% की वृद्धि हुई। वर्ष 2007-08 के दौरान बैंक का निवल लाभ 48.18% की दर से बढ़कर पिछले वर्ष के रु. 4,541.31 करोड़ की तुलना में रु. 6,729.12 करोड़ हो गया।

निवल ब्याज आय में 13.04% की वृद्धि हुई और अन्य आय में 28.52% की वृद्धि हुई। परिचालन व्ययों में 6.64% की बढ़ोत्तरी हुई।

लाभांश

बैंक ने लाभांश बढ़ाकर 215% कर दिया।

निवल ब्याज आय

बैंक की निवल ब्याज आय में 13.04% की वृद्धि हुई और यह 2006-07 के रु. 15,058.20 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2007-08 में 17,021.23 करोड़ हो गई। यह अग्रिमों पर ब्याज-आय में वृद्धि का परिणाम था। वर्ष 2007-08 के दौरान निवल ब्याज मार्जिन 3.07% के संतोषजनक स्तर पर रहा।

वैश्विक परिचालनों से वर्ष के दौरान सकल ब्याज आय रु. 37,242.33 करोड़ से बढ़कर रु. 48,950.31 करोड़ हो गई। ऐसा प्रमुखत: अग्रिमों पर उच्च ब्याज आय के कारण हुआ।

भारत में अग्रिमों पर ब्याज आय 2006-07 के रु. 22,872.66 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2007-08 के दौरान रु. 32,162.68 करोड़ हो गयी। इसका कारण अग्रिमों की मात्रा में वृद्धि रही। इसके अतिरिक्त भारत में अग्रिमों पर प्रतिलाभ 2006-07 के 8.67% से बढ़कर 2007-08 के दौरान 9.90% हो गया। विदेशी कार्यालयों में ऋण-मात्रा में वृद्धि के कारण अग्रिमों की ब्याज आय में वृद्धि हुई।

औसत प्रतिलाभ में गिरावट के बावजूद भारत में राजकोषीय परिचालन से आय में 11.3% की वृद्धि हुई क्योंकि लगाए गए औसत संसाधनों की मात्रा अधिक थी। औसत प्रतिफल वर्ष 2006-07 के 6.99% से घटकर 2007-08 में 6.92% हो गया।

वैश्विक परिचालनों का कुल ब्याज व्यय 2006-07 के रु. 22,184.14 करोड़ से बढ़कर 2007-08 में रु. 31,929.08 करोड़ हो गया। भारत में जमा राशियों पर ब्याज-व्यय में 2007-08 के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में 45.56% की वृद्धि हुई जबकि भारत में जमा राशियों के स्तर में 22.9% की वृद्धि हुई। इस कारण जमा राशियों की औसत लागत वर्ष 2006-07 के 4.69% से बढ़कर 2007-08 में 5.59% हो गई।

गैर-ब्याज आय

गैर ब्याज आय 2006-07 के रु. 6,725.26 करोड़ से बढ़कर रु. 8,694.93 करोड़ हो गई।

वर्ष के दौरान बैंक ने भारत और विदेश में अपने सहयोगी बैंकों / अनुषंगियों और संयुक्त उद्यमों से लाभांश के रूप में रु. 197.41 करोड़ प्राप्त किए (पिछले वर्ष रु. 598.12 करोड़)।

परिचालन व्यय

स्टाफ लागत में 1.84% की मामूली कमी आई और यह 2006-07 के रु. 7,932.58 करोड़ से घटकर रु. 7,785.87 करोड़ हो गया। स्टाफ लागत में वेतन मद की रु. 575.00 करोड़ की बकाया राशि थी। आय परिचालन व्ययों में भी 23.94% की वृद्धि हुई जिसका कारण भाड़े,

Repo and Reverse Repo rates were kept unchanged. To manage the liquidity in the economy, RBI raised the Cash Reserve Ratio four times: in April, August and November 2007 from 6% to 7.50%. In line with liquidity tightening, PLRs and deposit rates of major banks were hiked during the year. While lending rates rose to 12.25-12.75% from 12.25-12.50%, deposit rates (for more than one year maturity) rose to 8.25-9.0% from 7.5-9.0% in the previous financial year. However, in the month of February 2008, to keep up the growth momentum in the economy, some banks announced cuts in their PLR and interest rate on housing loans below Rs.20 lakh.

The tight monetary policy followed by RBI to control inflation and money supply had a moderating impact on credit growth, which increased by 21.6% in 2007-08 against 28.1% in 2006-07. Deposit growth also moderated to 22.2% in 2007-08 from 23.8% in 2006-07.

For the current year, despite slowdown in the major economies of the world, the Indian economy will continue to grow at 8-8.5% driven by investment. Due to a number of fiscal and monetary measures taken by the Government and RBI to put a check on prices, inflation is expected to come down to 5-5.5% by March 2009.

Financial Performance

Profit

The Operating Profit of the Bank for 2007-08 stood at Rs. 13,107.55 crore as compared to Rs.9,999.94 crore in 2006-07, registering a growth of 31.08%. The Bank has posted a Net Profit of Rs 6729.12 crore for 2007-08 as compared to Rs.4,541.31 crore in 2006-07, registering a growth of 48.18%.

While Net Interest Income recorded a growth of 13.04% and Other Income increased by 28.52%. Operating Expenses increased by 6.64%.

Dividend

The Bank has increased dividend to 215%.

Net Interest Income

The Net Interest Income of the Bank registered a growth of 13.04% from Rs.15,058.20 crore in 2006-07 to Rs. 17,021.23 crore in 2007-08. This was due to growth in interest income on advances. The Net Interest Margin was at a healthy 3.07% in 2007-08.

The gross interest income from global operations rose from Rs. 37,242.33 crore to Rs. 48,950.31 crore during the year. This was mainly due to higher interest income on advances.

Interest income on advances in India registered an increase from Rs.22,872.66 crore in 2006-07 to Rs 32,162.68 crore in 2007-08 due to higher volumes. Also average yield on domestic advances increased from 8.67% in 2006-07 to 9.90% in 2007-08. Interest income on advances at foreign offices also increased due to higher volumes.

Income from resources deployed in Treasury operations in India increased by 11.03% despite decline in average yield mainly due to higher average resources deployed. The average yield, which was 6.99% in 2006-07, declined to 6.92% in 2007-08.

Total interest expenses of global operations increased from Rs.22,184.14 crore in 2006-07 to Rs. 31,929.08 crore in 2007-08. Interest expenses on deposits in India during 2007-08 recorded an increase of 45.56% compared to the previous year, whereas the average level of deposits in India grew by 22.09%. This resulted in increase in the average cost of deposits from 4.69% in 2006-07 to 5.59% in 2007-08.

Non-Interest Income

Non-interest income stood at Rs.8,694.93 crore as against Rs.6,725.26 crore in 2006-07.

During the year, the Bank received an income of Rs. 197.41 crore (Rs.598.12 crore in the previous year) by way of dividends from Associate Banks/ subsidiaries and joint ventures in India and abroad.

Operating Expenses

There was marginal decline of 1.84% in the Staff Cost from Rs.7,932.58 crore in 2006-07 to Rs 7,785.87 crore in 2007-08. Staff Cost included an amount of Rs.575.00 crore towards Wage arrears.

करों, बिजली, बीमा, डाक, तार, टेलीफोन, मरम्मत और रखरखाव, लेखा परीक्षा शुल्क और विविध व्ययों मे वृद्धि था।

स्टाफ लागत और अन्य परिचालन व्ययों में 6.64% की वृद्धि दर्ज की गई।

प्रावधान और आकस्मिकताएं

वर्ष 2007-08 के दौरान किए गए प्रमुख प्रावधान निम्नानुसार हैं :

- विनिधानों पर मूल्य ऱ्हास के लिए रु. 88.68 करोड़ (राइट बैक) का प्रावधान किया गया। इसमें परिपक्वता के लिए रखे गए, श्रेणी के प्रीमियम का परिशोधन नहीं शामिल है। (2006-07 मे रु. 379.23 करोड़)।
- कर-प्रावधान के लिए रु. 3,823.50 करोड़। इसमें आस्थगित कर क्रेडिट का रु. 219.43 करोड़ नही शामिल है। (वर्ष 2006-07 में रु. 3,014.61 करोड़ - रु. 19.83 करोड़ के आस्थगित कर क्रेडिट को छोड़कर)।
- अनुषंगी लाभ कर के लिए रु. 105.00 करोड़ (वर्ष 2006-07 के लिए रु. 88.50 करोड़)।
- रु. 2,000.94 करोड़ (राइट बैक को छोड़कर) अनर्जक आस्तियों के लिए (वर्ष 2006-07 में रु. 1,429.50 करोड़)
- मानक आस्तियों के लिए रु. 566.97 करोड़ (वर्ष 2006-07 के दौरान रु. 589.19 करोड़)। इस वर्ष के प्रावधान को शामिल करके मानक आस्तियों पर कुल प्रावधान रु. 2,069.38 करोड़ हुआ।

आरक्षित निधियां एवं अधिशेष

- रु.4,839.07 करोड़ (वर्ष 2006-07 में रु.3,358.11 करोड़) की राशि सांविधिक आरक्षित निधियों में अंतरित की गई थी।
- रु.304.35 करोड़ (वर्ष 2006-07 में रु.321.15 करोड़) की राशि अन्य आरक्षित निधियों में अंतरित की गई थी।
- रु.62.18 करोड़ की राशि निवेश आरक्षित निधियों में अंतरित (2006-07 में शून्य) की गई थी।
- रु.4,075.64 करोड़ की राशि लेखा मानक -15 संशोधित - कर्मचारी हित लाभ के अनुपालन में संक्रमणकालीन देयता हेतु अन्य आरक्षित निधियों से आहरित की गई।

परिसंपत्तियां

बैंक की कुल परिसंपत्तियों में 27.35% की वृद्धि हुई और ये मार्च 2007 के अंत के रु.5,66,565.24 करोड़ से मार्च 2008 के अंत में रु.7,21,526.31 करोड़ हो गई। इस अवधि में ऋण संविभाग 23.55% बढ़कर रु.3,37,336.49 करोड़ से रु.4,16,768.19 करोड़ तथा निवेश 27.06% बढ़कर रु.1,49,148.88 करोड़ से रु.1,89,501.27 करोड़ हो गया। अधिकांश निवेश देशी बाजार में सरकारी एवं अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में किया गया था। देशी अग्रिमों में बैंक का बाजार अंश मार्च 2008 को 15.28% था।

देयताएं

बैंक की कुल देयताएं (पूंजी एवं आरक्षितियों को छोड़कर) 25.64% की वृद्धि के साथ 31 मार्च 2007 के रु. 5,35,266.68 करोड़ से

तालिका - 1 प्रमुख निष्पादन संकेतक

संकेतक	भारतीय स्टेट बैंक		एस बी आइ समूह	
	2007-08	2006-07	2007-08	2006-07
औसत आस्तियों पर आय (%)	1.01	0.84	0.99	0.87
ईक्विटी पर आय (%)	17.82	14.24	17.93	15.08
आय की तुलना में व्यय (%) (कुल निवल आय की तुलना में परिचालन व्यय)	49.16	54.18	56.64	58.15
प्रति शेयर मूल अर्जन (रु)	126.62	86.10	168.61	120.66
प्रति शेयर न्यूनीकृत आय (रु)	126.50	86.10	168.45	120.66
पूँजी पर्याप्तता अनुपात (%) (बेसल I)	13.47	12.34	13.49	12.36
श्रेणी I	9.14	8.01	8.95	8.05
श्रेणी II	4.33	4.33	4.54	4.31
निवल अग्रिमों की तुलना में निवल अनर्जक आस्तियाँ	1.78	1.56	1.43	1.31

Other Operating Expenses have also registered an increase of 23.94% mainly due to increase in expenses on rent, taxes and lighting, insurance, postage, telegrams and telephones, repair and maintenance, audit fees and miscellaneous expenditure.

Operating Expenses, comprising both staff cost and other operating expenses, have registered an increase of 6.64%.

Provisions and Contingencies

Major amounts of provisions made in 2007-08 were as under:

- Rs. 88.68 crore (writeback) towards provision for depreciation on investments, excluding amortization of premium on 'Held to Maturity' category (as against Rs.379.23 crore in 2006-07).
- Rs.3,823.50 crore towards Provision for Tax, excluding deferred tax credit of Rs. 219.43 crore (as against Rs. 3,014.61 crore in 2006-07 excluding deferred tax credit of Rs. 19.83 crore).
- Rs. 105.00 crore towards Fringe Benefit Tax (as against 88.50 crore in 2006-07).
- Rs. 2,000.94 crore (net of write-back) for non-performing assets (as against Rs. 1,429.50 crore in 2006-07).
- Rs. 566.97 crore towards Standard Assets (as against Rs. 589.19 crore in 2006-07). Including the current year's provision, the total provision held on Standard Assets amounts to Rs. 2,069.38 crore.

Reserves and Surplus

- An amount of Rs.4,839.07 crore (as against Rs. 3,358.11 crore in 2006-07) was transferred to Statutory Reserves.
- An amount of Rs. 304.35 crore (as against Rs.321.15 crore in 2006-07) was transferred to Other Reserves.
- An amount of Rs. 62.18 crore was transferred to Investment Reserves. (Nil in 2006-07)
- An amount of Rs. 4,075.64 crore was withdrawn from Other Reserves towards transitional liability for complying with Accounting Standard - 15 (Revised) – "Employee Benefits"

Assets

The total assets of the Bank increased by 27.35% from Rs.5,66,565.24 crore at the end of March 2007 to Rs. 7,21,526.31 crore as at end March 2008. During the period, the loan portfolio increased by 23.55% from Rs.3,37,336.49 crore to Rs. 416,768.19 crore. Investments increased by 27.06% from Rs.1,49,148.88 crore to Rs 1,89,501.27 crore. A major portion of the investment was in the domestic market in government and other approved securities. The Bank's market shares in domestic advances was 15.28% as of March 2008.

Liabilities

The Bank's aggregate liabilities (excluding capital and reserves) rose by 25.64% from Rs. 5,35,266.68

Table : 1 Key Performance Indicators

Indicators	SBI		SBI Group	
	2007-08	2006-07	2007-08	2006-07
Return on Average Assets (%)	1.01	0.84	0.99	0.87
Return on Equity (%)	17.82	14.24	17.93	15.08
Expenses to Income (%)(Operating Expenses to Total Net Income)	49.16	54.18	56.64	58.15
Basic Earnings Per Share (Rs.)	126.62	86.10	168.61	120.66
Diluted Earnings Per Share (Rs.)	126.50	86.10	168.45	120.66
Capital Adequacy Ratio (%) (Basel I)	13.47	12.34	13.49	12.36
Tier I	9.14	8.01	8.95	8.05
Tier II	4.33	4.33	4.54	4.31
Net NPAs to Net Advances	1.78	1.56	1.43	1.31

बढ़कर 31 मार्च 2008 को रु. 6,72,493.65 करोड़ हो गई। देयताओं में यह वृद्धि प्रमुख रूप से जमाराशियों एवं उधारियों में वृद्धि के कारण हुई। वैश्विक जमाराशियाँ 31 मार्च 2008 को रु. 5,37,403.94 करोड़ रहीं एवं 31 मार्च 2007 के स्तर की तुलना में इनमें 23.39% की वृद्धि हुई। जामारशियों में बैंक का बाजार हिस्सा मार्च 2008 की स्थिति के अनुसार 15.44% रहा।

निष्पादन के उल्लेखनीय तथ्य

क.	ग्लोबल मार्केट्स
ख.	थोक बैंकिंग समूह
ग.	मध्य कारपोरेट समूह
घ.	राष्ट्रीय बैंकिंग समूह
ड.	ग्रामीण व्यवसाय समूह
च.	कारपोरेट कार्यनीति एवं नव व्यवसाय
छ.	अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह
ज.	सहयोगी और अनुषंगियाँ
झ.	आस्ति-गुणवत्ता
ञ.	सूचना-प्रौद्योगिकी

क. ग्लोबल मार्केट्स

क-1 अलग-अलग समय क्षेत्रों के विभिन्न बाजारों में अपनी समस्त राजकोषीय गतिविधियों जैसे फोरेक्स, ब्याज-दरों, बुलियन, ईक्विटी और वैकल्पिक आस्तियों को समेकित करने के अपने प्रयास के अनुसार बैंक ने अपने राजकोषीय परिचालनों को ग्लोबल मार्केट में पुनर्नामित किया है।

कारपोरेट केंद्र, मुंबई में, अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त डीलिंग रूम का उद्घाटन किया गया जो देश भर की सभी शाखाओं में ऑन-लाइन से जुड़ा हुआ है। इस डीलिंग रूम में उद्योग से संबंधित सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं जिससे हमारे ग्राहकों को बाजार-निर्धारित फारेक्स दरों की जानकारी अविराम मिल जाती है।

वर्ष के दौरान 10 वर्ष आधार वाले प्रतिफलों में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। वर्ष के दौरान 8.38% के उच्च स्तर पर पहुँचा और अंतत: 31 मार्च 2008 को 7.94% के स्तर पर बंद हुआ। ऋण वृद्धि में आई आंशिक मंदी के कारण 31 मार्च 2007 की तुलना में देशी निवेश संविभाग में रु. 36,311.76 करोड़ की वृद्धि हुई। चलनिधि की स्थिति लगभग पूरे वर्ष संतोषजनक रही, जिससे बैंक को उच्च लागत वाली थोक जमा राशियों के स्तर को कम करने में सहायता मिली। उच्च ब्याज दरों की पृष्ठभूमि में बांड बाजार की स्थिति व्यापार के अनुकूल नहीं थी। वर्ष के दौरान पूंजी बाजार में आए उफान का लाभ उठाने के लिए बैंक ने अपनी व्यापार गतिविधियों को ईक्विटी और म्यूचुअल फंड संविभाग में विविधीकृत किया।

क.2 व्यापार करते समय निवल आय पोर्टफोलिओ से होने वाले लाभ पर उच्चतर ब्याज दरों के कारण दबाव बना रहा। वैश्विक बाजार से हुए लाभ में ईक्विटी एवं म्यूचुअल फंडो से सम्बन्धित व्यापार का प्रमुख योगदान रहा। ईक्विटी एवं म्यूचुअल फंड निवेश संविभाग से हुए व्यापारिक लाभ में 321% की वृद्धि हुई। निवेश संविभाग से हुई ब्याज आय में निरपेक्षस्तर पर वृद्धि हुई जिसका कारण समग्र नियत आय संविभाग में हुई वृद्धि थी जो रु.1,36,927.48 करोड़ से बढ़कर रु. 1,73,239.24 करोड़ रही। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सी आर आर दर को वर्ष के दौरान चार चरणों में 6% से बढ़ाकर 7.50% करने तथा सीआरआर जमाराशियों पर ब्याज न देने के निर्णय के कारण राजकोषीय परिचालन की समग्र आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। सीआरआर जमाराशियो पर सीआरआर पर शेष आय को घटाकर राजकोषीय परिचालन से औसत आय 6.45% से बढ़कर 7.35% हो गई।

नियत आय संविभाग पर ब्याज दर जोखिम को कम करने के लिए बैंक ने कई उपाय किए, जिनमें संविभाग की आवधिकता को कम करना तथा रु. 9,662 करोड़ की प्रतिभूतियों को ''बिक्री के लिए उपलब्ध'' श्रेणी से हटाकर ''परिपक्वता के लिए रखी गई'' श्रेणी में डालना शामिल है।

क.4 विदेशी मुद्रा के क्रय-विक्रय में पर्याप्त वृद्धि हुई और यह - रु. 7,67,889 करोड़ से बढ़कर रु. 11,74,029 करोड़ तक पहुँच गई इस प्रकार इस कारोबार से एक्सचेंज आय में वर्षानुवर्ष 59% की वृद्धि हुई और यह रु. 202.20 करोड़ से बढ़कर रु. 321.64 करोड़ हो गई।

ख. थोक बैंकिंग समूह

ख.1 थोक बैंकिंग समूह 3 कार्यनीतिक व्यवसाय इकाइयों से मिलकर बना है, जिनके नाम हैं - कारपोरेट लेखा समूह, परियोजना वित्त और लीजिंग एसबीयू और तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन समूह।

crore on 31st March 2007 to Rs. 6,72,493.65 crore on 31st March 2008. The increase in liabilities was mainly contributed by increase in deposits and borrowings. The Global deposits stood at Rs.5,37,403.94 crore as on 31st March 2008, representing an increase of 23.39 % over the level on 31st March 2007. The Bank's market share in deposits was 15.44% as of March 2008.

Performance Highlights

	Core Operations
A	Global Markets
B	Wholesale Banking Group
C	Mid Corporate Group
D	National Banking Group
E	Rural Business Group
F	Corporate Strategy & New Business
G	International Banking Group
H	Associates & Subsidiaries
I	Asset Quality
J	Information Technology

A. GLOBAL MARKETS

A.1 In keeping with its integrated approach to all treasury activities in various markets in different time zones i.e., Forex, Interest Rates, Bullion, Equity and Alternative Assets, the Bank redesignated its Treasury Operations into "Global Markets"

A new state-of-the-art Dealing Room with online connectivity to all active forex intensive Branches across the country was inaugurated at Corporate Centre in Mumbai with facilities matching the best in the industry. This facility ensures continuous availability of market determined forex rates to our customers.

The year witnessed volatility in 10-year base yields which moved upwards to 8.38% during the year and finally closed at 7.94% as on 31st March 2008. Marginal slow down in credit growth led to increase in overall Domestic investment portfolio by Rs.36311.76 crore over 31st March 2007. Liquidity position remained comfortable during most part of the year which helped the Bank to bring down high cost bulk deposits. In the backdrop of higher interest rate regime, Bond Market conditions were less conducive to trading opportunities. The Bank diversified its trading activity to Equity and Mutual Fund portfolio to encash the opportunities available through the buoyant capital markets during the year.

A.2 While trading profits from Fixed Income portfolio came under pressure because of higher interest rate regime, Global Market's profits were contributed primarily by trading in equity and mutual funds. Trading profits from equity and mutual funds portfolio has increased by 321%. Interest income from investment portfolio increased in absolute terms due to the increase in the overall Fixed Income portfolio from Rs.1,36,927.48 crore to Rs.1,73,239.24 crore. RBI's decision to increase CRR rate from 6.00% to 7.50% in four stages during the year and withdrawal of interest payable on CRR balances impacted overall income from Treasury operations. Average yield on treasury operations net of income on CRR balances increased from 6.45% to 7.35%.

A.3 The Bank contained the interest rate risk of the Fixed Income Portfolio through a combination of measures including reduction in the duration of the portfolio and shifting of securities with a book value of Rs.9,662 crore from Available for Sale portfolio to Held to Maturity portfolio.

A.4 Trading volumes in forex operations increased substantially from Rs.7,67,889 crore to Rs.11,74,029 crore thereby increasing the exchange income from these operations by 59 % Y-O-Y to Rs.321.64 crore from Rs.202.20 crore.

B. WHOLESALE BANKING GROUP

B.1 The Bank's Wholesale Banking Group consists of three Strategic Business Units viz., Corporate Accounts Group, Project Finance & Leasing SBU and Stressed Assets Management Group.